कार्यशाला आयोजन समिति

मुख्य संरक्षक

प्रो. खेमसिंह डहेरिया

माननीय कुलपति

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल
मध्यप्रदेश (भारत)

संयोजक

डॉ. जितेन्द्र भावसार

विभागाध्यक्ष, रसायन शास्त्र
अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्यप्रदेश (भारत)

सह संयोजक

श्री अंकित गावशिन्दे

रसायन शास्त्र

डॉ. हितेंद्र कुमार राम

वनस्पति शास्त्र

संचालन समिति

प्रो. राजीव वर्मा, अधिष्ठाता, अ.बि.वा.हि.वि.वि, भोपाल
श्री शैलेन्द्र कुमार जैन, कुलसचिव, अ.बि.वा.हि.वि.वि, भोपाल
सुश्री उषा सरयाम, वित्त अधिकारी, अ.बि.वा.हि.वि.वि, भोपाल
डॉ. चित्रलेखा (सोनी) कड़ेल, अ.बि.वा.हि.वि.वि, भोपाल

परामर्शदात्री समिति

प्रो. मोहनलाल छीपा, पूर्व कुलपति, अ.बि.वा.हि.वि.वि, भोपाल
प्रो. सुनील कुमार गुप्ता, कुलपति, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल
प्रो. एस के जैन, कुलपति, बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
प्रो. अनिल कोठारी, महानिदेशक, म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल
डॉ. दीपक पालीवाल, संयुक्त निदेशक, पं. सुंदरलाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्था, भोपाल
प्रो. केशव आमेटा, प्राध्यापक, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर, गुजरात
प्रो. प्रतिभा शर्मा, प्राध्यापक, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर
प्रो. नवीन शर्मा, प्राध्यापक, ई.गा.रा.ज.वि.वि, अमरकंटक
प्रो. प्रज्ञेश अग्रवाल, निदेशक, उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल
प्रो. अलका प्रधान, प्राध्यापक, मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय, भोपाल
प्रो. आशा वर्मा, प्राध्यापक, शा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एव वाणिज्य महाविद्यालय, भोपाल
प्रो.(कैप्टन) रश्मि सिंघई, प्राध्यापक, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, (एन.सी.ई.आर.टी), भोपाल
प्रो. संजय दीक्षित, प्राध्यापक, शा.मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय,भोपाल
प्रो. अर्पण भारद्वाज प्राध्यापक शा. माधव विज्ञान महाविद्यालय उज्जैन
प्रो. सचिन शर्मा, प्राध्यापक, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर
प्रो. प्रीति जैन, प्राध्यापक, मेडीकेप्स विश्वविद्यालय, इंदौर
प्रो.आशीष कुमार, प्राध्यापक, नालंदा अभियांत्रिकी महाविद्यालय, बिहार
डॉ. केतन सी. कुपेकर, प्राध्यापक, एस.वी.एन.आई.टी, सूरत, गुजरात

आयोजन समिति

- डॉ. चित्रलेखा (सोनी) कड़ेल
- डॉ. रश्मि चतुर्वेदी
- डॉ. कुसुम दीक्षित चौहान
- डॉ. विजय कुमार मिश्र
- डॉ. अमित सोनी
- डॉ. भरत बाथम
- डॉ. आशीष कुमार नकाशे
- डॉ. झामलाल रशिया
- डॉ. वंदना ठाकुर
- डॉ. भावना खरे
- डॉ. नीलम सिंह
- श्री गौरव कुमार गुप्ता
- डॉ राजेश कुमार मिश्र
- डॉ. संजय त्रिपाठी
- डॉ. अमीन खान

पंजीयन विवरण

पंजीयन केवल गूगल लिंक के माध्यम से ही स्वीकार किये जायेंगे
गूगल लिंक : https://forms.gle/mmFTX9byDPEZVkXA6
पंजीयन की अंतिम तिथि- 25-02-2024

पंजीयन हेतु शुल्क एवं खाता

शोधार्थी - 500 ₹
प्राध्यापक - 1000 ₹
नाम- Kulsachiv Atal Bihari Vajpayee Hindi Vishwavidyalya
खाता संख्या- 13430100012347
आईएफएससी संख्या- BARB0SUKHI (पांचवा अंक शून्य है)

यात्रा एवं आवास व्यवस्था-

भोपाल के बाहर से आने वाले प्रतिभागियों के लिए आवास व्यवस्था अतिथि भवन में उनके लिखित अनुरोध पर की जाएगी, जिसके लिए 20 फरवरी, 2024 तक rasayanabvhvv@gmail.com पर ई-मेल के माध्यम से अनुरोध पत्र भेजना अनिवार्य होगा। यात्रा व्यय प्रतिभागियो को स्वयं वहन करना होगा।

संपर्क सूत्र-

श्री अंकित गावशिन्दे - 9039835741
डॉ. हितेंद्र कुमार राम - 8839166959
डॉ. आशीष नकाशे - 9826524486
डॉ. अमित सोनी - 8770888910

राष्ट्रीय कार्यशाला

भारतीय वैज्ञानिक ज्ञान प्रणाली एवं परियोजना लेखन

फाल्गुन कृष्ण षष्ठी - सप्तमी वि. सं. 2080
01 - 02 मार्च, 2024 (शुक्रवार- शनिवार)

आयोजक

रसायन शास्त्र विभाग

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)

प्रायोजक

मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद्,भोपाल

सहयोगी संस्थान एवं आयोजन स्थल

पं. सुन्दरलाल शर्मा केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, श्यामला हिल्स, भोपाल

विश्वविद्यालय के बारे में-

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल में स्थापित एक राज्य विश्वविद्यालय है, जिसकी स्थापना वर्ष 2011 में मध्य प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम - 34 द्वारा हिंदी भाषा में सभी विषयों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लक्ष्य को केंद्र में रखकर की गई है । इसकी विशेषता इस प्रकार से परिलक्षित होती है, कि यह विज्ञान, चिकित्सा, अभियांत्रिकी, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, संस्कृत, हिंदी, भाषा, अनुवाद, संगीत, वाणिज्य, प्रबंधन, कला, समाज विज्ञान, विधि, शिक्षा एवं आधुनिक दृष्टिकोण के समस्त पाठ्यक्रमों का संचालन, ज्ञान-विज्ञान की समस्त शाखाओं के शिक्षण-प्रशिक्षण एवं प्रकाशन तथा राष्ट्रीय लोक व्यवहार को मात्र हिंदी भाषा में संभव व संपन्न करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

विश्वविद्यालय की दृष्टिः

विश्वविद्यालय एक ऐसी युवा पीढ़ी के निर्माण की ओर अग्रसर है, जो समग्र व्यक्तित्व के विकास के साथ रोजगार कौशल व चारित्रिक दृष्टि से श्रेष्ठ हो। विश्वविद्यालय एक ऐसी शैक्षिक व्यवस्था का सृजन करना चाहता है, जो भारतीय ज्ञान परंपरा तथा आधुनिक ज्ञान में समन्वय करते हुए छात्रों, शिक्षकों एवं अभिभावकों में ऐसी दृष्टि विकसित कर सके जो भारत केंद्रित होकर संपूर्ण सृष्टि के कल्याण को प्राथमिकता देने में समर्थ हो।

कार्यशाला की अवधारणा

भारत विश्व की प्राचीनतम संस्कृति है, आदिकाल से ही भारत ज्ञान- विज्ञान की विभिन्न विधाओं में समृद्ध रहा है। भारतीय जीवन शैली की विभिन्न परम्पराओं एवं उत्सवों में गूढ़ वैज्ञानिक दृष्टि समाहित है । प्राचीन काल से ही भारतीय मनीषियों ने "वसुधैव कुटुंबकम" की भावना के साथ विविध क्षेत्रों में विश्व का मार्गदर्शन किया है, जिसके प्रमाण विश्व की अन्य प्राचीन संस्कृतियों में भी मिलते है। पाणिनि, सुश्रुत, आर्यभट्ट, भास्कराचार्य और पतंजलि सहित हमारे महान भारतीय दार्शनिकों ने गणित, शल्य चिकित्सा, खगोल विज्ञान, वास्तुकला आदि विविध क्षेत्रों को अपने ग्रंथो में समाहित किया है एवं विश्व में ज्ञान के उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है । इस कार्यशाला का उद्देश्य सदियों से भारत में विकसित हुई समृद्ध और विविध ज्ञान प्रणालियों के बारे में जानकारी एवं जागरूकता बढ़ाना है, जिससे कि हमारा समाज अतीत के ज्ञान के माध्यम से समकालीन ज्ञान एवं विज्ञान का विस्तार करने के साथ-साथ वैश्विक समस्याओ के समाधान की ओर अग्रसर हो सके।

उपर्युक्त कार्यशाला में प्रतिभागियों को विभिन्न पारंपरिक ज्ञान-विज्ञान प्रणालियों से अवगत कराया जाएगा। यह कार्यशाला नवीन अन्वेषण और अनुसंधान के लिए शोधार्थियों में प्राचीन भारतीय वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करेगी। यह इस बात का विचार देगी, कि पारंपरिक ज्ञान को अभ्यास में कैसे लाया जाए और साथ ही इसे कक्षा शिक्षण में कैसे समायोजित किया जाए ।

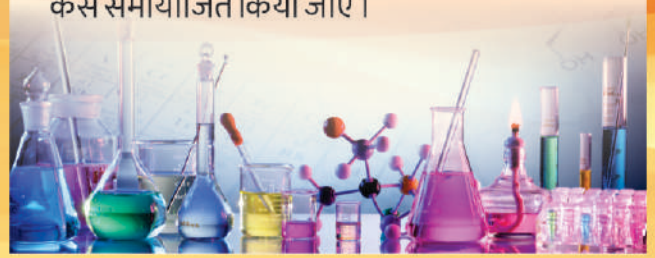

आलेख के विषय

- भारतीय ज्ञान परम्परा में रसायन शास्त्र
- भारतीय ज्ञान परम्परा में गणित
- भारतीय ज्ञान परम्परा में भौतिक शास्त्र
- खगोल शास्त्र एवं ज्योतिष शास्त्र
- भारतीय ज्ञान परम्परा में वनस्पति शास्त्र
- भारतीय ज्ञान परम्परा में योग विज्ञान
- भारतीय ज्ञान परम्परा में अभियांत्रिकी एवं यंत्र निर्माण
- भारतीय ज्ञान परम्परा में आयुर्वेद
- भारतीय ज्ञान परम्परा में वास्तु एवं शिल्प शास्त्र
- भारतीय ऋषि कृषि परम्परा
- भारतीय शिक्षण पद्धति
- भारतीय ज्ञान परम्परा का वैश्विक प्रभाव
- भारतीय ज्ञान परम्परा में जल स्त्रोत संरक्षण विज्ञान
- भारतीय ज्ञान परम्परा में भूगोल एवं जलवायु
- वैमानिक शास्त्र एवं नौकायन
- भारतीय ज्ञान परम्परा में धातु शास्त्र
- शिक्षा के क्षेत्र में भारतीय विज्ञान का दृष्टिकोण
- वेदों में विज्ञान

प्रकाशन- उक्त कार्यशाला में भारतीय वैज्ञानिक ज्ञान प्रणाली से संबंधित विषयों पर आलेख आमंत्रित हैं। चयनित आलेखो को संपादक मंडल की अनुशंसा के उपरांत ही प्रकाशन हेतु पात्र माना जायेगा। चयनित आलेख ISBN अंकित पुस्तक में प्रकाशित किये जायेंगे। आलेख उक्त विषयों पर आधारित होने चाहिये। (शब्द सीमा अधिकतम 3000 शब्द) आलेख हिंदी में कृतिदेव/यूनिकोड, फॉण्ट साइज - 10, लाइन स्पेस - 1.5 मे टाइप कर **15 फरवरी 2024** तक ई-मेल: rasayanabvhvv@gmail.com द्वारा स्वीकार किये जायेंगे।